श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 25 * अंक : 5 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 जून 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

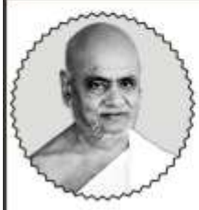

पुण्य-सम्राट के पट्टधरों की निश्रा में राजनगर में सामूहिक दीक्षा आत्मोद्धार-3 महामहोत्सव सम्पन्न 19 मुमुक्षुरत्नों ने की भागवती प्रव्रज्या अंगीकार

उदयपुर, (स. सं),

कलिकाल कल्पतरू विश्वपूज्य श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की पट्ट परम्परा में परम पूज्य पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय धर्मदिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्र आराधक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि विशाल श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभ निश्रा में श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ द्वारा आयोजित सामूहिक दीक्षा आत्मोद्धार-3 पंचाह्निका महोत्सव के साथ सम्पन्न हुआ।

राजनगर में भव्य प्रवेश

आत्मोद्धार-3 के निमित्त दिनांक 19-5-2019 को पट्टधरद्वय एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द का भव्य शोभायात्रा के साथ मंगल प्रवेश हुआ जिसमें बैण्ड-बाजे, ढोल सहित जैन समाज की महिलाएँ पारम्परिक परिधान में सिर पर मंगल कलश लिए चल रही थीं। बैण्ड एवं ढोल की मधुर ताल पर गुरुभक्त नृत्य करते चल रहे थे। शोभायात्रा में सम्मिलित श्रावक-श्राविका वर्ग जयकारों से पूरे वातावरण को गुँजायमान कर रहा था। शोभायात्रा राजमार्ग से होती हुई रीवर फ्रन्ट स्थित आयोजन स्थल वैराग्य नगरी में पहुँच कर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। शोभायात्रा में अनेक स्थानों पर गुरुभक्त परिवारों द्वारा पट्टधरद्वय की गहुँली कर बधाते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया।

दिनांक 22-5-2019 को सामूहिक दीक्षा महोत्सव आत्मोद्धार-3 के 19 दीक्षार्थियों का वर्षीदान का ऐतिहासिक भव्य वरघोड़ा पालड़ी श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर से निकला जिसमें सर्वप्रथम धर्मध्वजा का रथ फिर 3 हाथी, एक हाथी पर अभिधान राजेन्द्र कोष था तो दो हाथियों पर दीक्षार्थी विराजमान थे, 12 घोड़े, 12 ऊँटगाड़ी, 15 बैलगाड़ी, दो भगवान के रथ, 10 नृत्य मण्डलियाँ, 5 वाद्यमण्डलियाँ, बैण्ड, ढोल आदि के साथ पट्टधरद्वय की निश्रा में हजारों गुरुभक्तों के साथ प्रारम्भ हुआ। सुसज्जित बग्घियों में दादा गुरुदेवश्री, पुण्य-सम्राट के चित्र विराजमान थे। दीक्षार्थी पूरे मार्ग में वर्षीदान कर रहे थे। लगभग दो किलोमीटर लम्बे वरघोड़े में जहाँ दृष्टि जाती वहाँ पर अपार जनमेदिनी नजर आ रही थी। मार्ग में खड़ा जनमानस लालायित था कि वर्षीदान की कोई भी वस्तु प्राप्त हो। राजमार्ग से गुजरता हुआ वरघोड़ा दीक्षार्थी अमर रहे के नारों को गुँजायमान करता वल्लभ सदन रीवर फ्रन्ट वैराग्यनगरी पहुँचा।

दिनांक 23-5-2019 को प्रातः 4 बजे से ही विभिन्न प्रान्तों से पधारे एवं स्थानीय गुरुभक्तों का वैराग्यनगरी में आगमन चालू हो गया कुछ ही समय में हजारों की संख्या में गुरुभक्त एक साथ 19 आत्मोद्धाकों की दीक्षा के क्षण को

अपने नैत्रों से निहारने वैराग्यनगरी में एकत्रित हो गये। पूज्य आचार्यद्वयश्री ने सभी दीक्षार्थियों को क्रिया करवाने के बाद शुभ मुहूर्त्त में रजोहरण प्रदान किया, रजोहरण प्राप्त करने के बाद एक साथ सभी दीक्षार्थी मंच पर ही प्रसन्नता के साथ आनन्दमग्न होकर नृत्य करने लगे। आचार्यद्वय की निश्रा में कुछ महत्त्वपूर्ण चढ़ावे बोले गये जिसमें समस्त गुजरात, थराद, मुम्बई, सूरत, अहमदाबाद के लाभार्थियों ने बढ़-चढ़कर चढ़ावे लिये। गृहस्थ वेश को त्याग कर मुमुक्षुरत्न संयमी वेश धारण कर मंच पर आये तो सभी आत्मोद्धारकों को दीक्षा की क्रिया करवा कर आचार्यद्वय द्वारा नूतन दीक्षार्थियों का सांसारिक नाम बदल कर संयमी नामकरण किया गया जो इस प्रकार है-

(शेष पृष्ठ दो पर)

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com

/bhandavpur +91-7340009222

पुण्य-सम्राट के पट्टधरों की निश्रा में...

(शेष पृष्ठ एक का)

मूल नाम	संयमी नाम
विशेषकुमार भरतभाई बछू	मुनिश्री जम्बूसेनविजयजी म. सा.
संयमकुमार हँसमुखभाई मोरखिया	मुनिश्री सुधर्मसेनविजयजी म. सा.
मिलीकुमारी भरतभाई बछू	साध्वीश्री मौर्यनिधिश्रीजी म. सा.
निरालीकुमारी हँसमुखभाई धरू	साध्वीश्री नित्यश्रुतप्रियाश्रीजी म. सा.
सिल्कीकुमारी महेशभाई अंबाणी	साध्वीश्री श्रुतांशप्रियाश्रीजी म. सा.
निशिकुमारी दिनेशभाई दोशी	साध्वीश्री निर्मलप्रियाश्रीजी म. सा.
नियतिकुमारी नरेन्द्रभाई संघवी	साध्वीश्री वन्दननिधिश्रीजी म. सा.
रोशनीकुमारी सूरजमलजी राँका	साध्वीश्री वज्ररेखाश्रीजी म. सा.
रिन्कलकुमारी कीर्तिलाल ओझा	साध्वीश्री धर्मरेखाश्रीजी म. सा.
मीनाबेन हँसमुखभाई मोरखिया	साध्वीश्री महावीरनिधिश्रीजी म. सा.
पूजाकुमारी नरपतभाई दोशी	साध्वीश्री प्रभुप्रियाश्रीजी म. सा.
रिद्धिकुमारी दिनेशभाई व्होरा	साध्वीश्री रैवतनिधिश्रीजी म. सा.
कीनाकुमारी शैलेषभाई व्होरा	साध्वीश्री क्षमानिधिश्रीजी म. सा.
आंगीकुमारी परेशभाई अदाणी	साध्वीश्री आर्यनिधिश्रीजी म. सा.
मित्तलकुमारी विनोदभाई दोशी	साध्वीश्री मृदुनिधिश्रीजी म. सा.
पूजाकुमारी दिनेशभाई मोरखिया	साध्वीश्री पार्श्वप्रियाश्रीजी म. सा.
मोक्षालीकुमारी किरीटभाई व्होरा	साध्वीश्री ऋषभनिधिश्रीजी म. सा.
वैरागीकुमारी किरीटभाई व्होरा	साध्वीश्री पुण्डरिकनिधिश्रीजी म. सा.
जीनलकुमारी बकुलभाई भणसाली	साध्वीश्री केवलदीपनिधिश्रीजी म. सा.

आचार्यद्वय द्वारा प्रदत्त इन नामों से ही अब इन संयमी आत्माओं की पहचान होगी । नामकरण के पश्चात् परिवारजनों एवं उपस्थित जनसमुदाय ने जय-जयकार, जय-जयकार, पुण्य-सम्राट की जय-जयकार एवं आचार्यद्वय की जयकारों से सम्पूर्ण वातावरण को गुँजायमान कर दिया । इस अवसर पर त्रिस्तुतिक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वाघजीभाई वोरा, परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेशजी धरू, महामन्त्री श्री अशोकजी श्रीश्रीमाल, श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार के ट्रस्टी श्री लालचन्दजी चिमनलालजी छाजेड़, श्री ताराचन्दजी संघवी, श्री चुन्नीलालजी संघवी, श्री ब्रजेश बोहरा, श्री पेलेस मोरखिया आदि अनेक गणमान्य उपस्थित थे ।

इस पावन प्रसंग को निहारने के लिए गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, तमिलनाडू आदि प्रान्तों से श्रीसंघ, परिषद् परिवार एवं विशाल संख्या में गुरुभक्त एवं अन्य समाजों के धर्मप्रेमी भी पधारे । विशेष रूप से पुण्य-सम्राट की अनन्य भक्त तुलसीबहिन जापान से गुरुभक्तों के साथ पधारी । आत्मोद्धार को सफल बनाने में थराद, सूरत, अहमदाबाद सहित कई श्रीसंघों एवं परिषद् परिवार की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही जिसके लिए आचार्यद्वय ने सभी की खूब-खूब अनुमोदना करते हुए अपना आत्मीय आशीर्वाद प्रदान किया ।

योगी-वाणी

मनुष्य का सम्बन्ध वर्षा के समान नहीं होना चाहिये, जो बरस कर समाप्त हो जाती है ।

बल्कि, मनुष्य का सम्बन्ध वायु की तरह होना चाहिये, जो खामोश हो मगर सदैव उसके आसपास हो ।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें ।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

आत्मोद्धार-3 की चित्रमय झलकियाँ

आचार्यश्री की निश्रा में ऊँझा में गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा का निर्णय

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, एकता के प्रबल पक्षधर, प्रवचनकार आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा का विहारानुक्रम में श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर, शान्तिनगर, ऊँझा में सामैया के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ । गुरु मन्दिर में दर्शन-वन्दन करने के पश्चात् आचार्यदेवेशश्री ने प्रवचन प्रदान किया । दोपहर 2 से 4 बजे गुरु मन्दिर ट्रस्ट की बैठक हुई । जिसमें प्रतिष्ठा हेतु आचार्यदेवश्री से चर्चा की गई ।

प. पू. आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आदेशानुसार चातुर्मास पश्चात् श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा शीघ्र करवाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया । सायं 5 बजे विहार कर सिद्धपुर में रात्रि विश्राम रहेगा । वहाँ से पालनपुर विहार होगा और विहार मार्ग में गच्छाधिपति प. पू. आचार्यदेवश्री अभयदेवसूरीश्वरजी म. सा. से मिलन होगा ।

राजनगर आत्मोद्धार-3 के अनुमोदनार्थ देशभर में अखण्ड आयम्बिल यात्रा

उदयपुर (स. सं.),

राजनगर-अहमदाबाद में श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ, अहमदाबाद द्वारा आयोजित दिनांक 23 मई 2019 को प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, प्रवचनकार श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में होने वाले सामूहिक दीक्षा आत्मोद्धार-3 के अनुमोदनार्थ श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ एवं अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् द्वारा दिनांक 27 अप्रेल 2019 से 23 मई 2019 तक 27 दिवसीय अखण्ड आयम्बिल यात्रा का आयोजन संचालित किया गया। जिसके अन्तर्गत देश के विभिन्न नगरों में गुरुभक्तों ने आयम्बिल की तपश्चर्या की।

27 अप्रेल पाटन में 105 आयम्बिल, 28 अप्रेल सूरत में 115 आयम्बिल, 29 अप्रेल डीसा में 40 आयम्बिल, 30 अप्रेल लाखणी में 9 आयम्बिल, 1 मई अप्रेल मुम्बई, 2 मई जावरा में 3, पिपलौदा में 12 आयम्बिल, 3 मई आलोट में 3, जोबट में 25, मेघनगर में 3, आनन्द में 12 आयम्बिल, 4 मई खाचरौद में 2, रम्भापुर में 6 आयम्बिल, 5 मई इन्दौर में 8, थराद में 45 आयम्बिल, 6 मई जोधपुर में 5 आयम्बिल, 7 मई राजगढ़ में 3, झनकावदा में 2 आयम्बिल, 8 मई रिंगनोद में 3, राणापुर में 1 आयम्बिल, 9 मई बाग में 5, महिदपुर रोड़ में 2 आयम्बिल, 10 मई अलीराजपुर में 6 आयम्बिल, 11 मई झाबुआ में 20, पारा में 11 आयम्बिल, 12 मई रतलाम में 9 आयम्बिल, 13 मई धार में 5 आयम्बिल, 14 मई उज्जैन में 13 नयापुरा व 13 नमकमण्डी कुल 26 आयम्बिल, 15 मई बीजापुर में 30 आयम्बिल, 16 मई मन्दसौर में 27 व बदनावर में 4 आयम्बिल, 17 मई कुक्षी में 3 आयम्बिल, 18 मई टाण्डा में 2 आयम्बिल, 19 मई खट्टाली में 5 व मदुराई में 4 आयम्बिल, 20 मई दलौदा में 3, करवड़ में 2 व निम्बाहेड़ा में 1 आयम्बिल, 21 मई अहमदाबाद, नीमच में 60 व नागदा में 3 आयम्बिल, 22 एवं 23 मई को राजनगर-अहमदाबाद में आयम्बिल की तपश्चर्या की गई।

श्री जे. के. संघवी का बहुमान

उदयपुर (स. सं.),

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् के पूर्व राष्ट्रीय महामन्त्री, समाजसेवी, जिन वचन प्रेमी, अध्यात्म चिन्तक एवं शाश्वत-धर्म के पूर्व सम्पादक श्री जे. के. संघवीजी के जावरा आगमन पर श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ के पूर्व अध्यक्ष समाज गौरव श्री कन्हैयालालजी धारीवाल (पटेल साहब) एवं परिवार द्वारा श्री संघवीजी का उनके द्वारा की जा रही धर्मप्रभावना एवं समाजसेवा के लिए माला एवं शॉल ओढ़ाकर बहुमान किया गया।

इस अवसर पर परिषद् के पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सर्राफ श्री प्रकाश काँठेड़, पूर्व राष्ट्रीय मन्त्री श्री सुरेश धारीवाल, प्रदेश मन्त्री श्री अनिल धारीवाल, पूर्व अध्यक्ष द्वय श्री दिलीप चौरड़िया, श्री यशवन्त चौरड़िया, श्री सुरेश सुराणा आदि उपस्थित थे।

श्री जे. के. संघवीजी 'नवरत्न पुरस्कार' से सम्मानित

आनन्द चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष सामाजिक क्षेत्र में विशेष उल्लेखनीय कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया जाता है इसके अन्तर्गत इस वर्ष जिन वचन प्रेमी, समाजसेवी, शाश्वत-धर्म के पूर्व सम्पादक श्री जे. के. संघवीजी को सुप्रसिद्ध भागवत कथाकार श्री भूपेन्द्रजी पण्डया के वरद् हस्तों से 'नवरत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। श्री संघवीजी को अनेक गणमान्यों ने इसके लिए बधाई प्रेषित की। यतीन्द्र वाणी परिवार की ओर से श्री संघवीजी के उज्ज्वल अनागत की मंगलकामना करते हुए हार्दिक बधाई।

साध्वीजी की निश्रा में झाबुआ में धार्मिक शिविर सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, प्रवचनकार श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री अनेकान्तलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में झाबुआ नगर में पाँच दिवसीय धार्मिक शिविर का आयोजन दिनांक 22 मई से 27 मई 2019 तक श्री ऋषभदेव भावन जिनालय में जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ एवं अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक, महिला, तरुण, बालिका परिषद् द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें 55 बच्चों और 70 महिलाओं ने भाग लिया।

प्रतिदिन पूज्या साध्वीश्री की निश्रा में विभिन्न धार्मिक क्रियाओं के माध्यम से शिविरार्थियों समझाते हुए उनको दैनिक जीवन में करने का प्रशिक्षण प्रदान किया।

शिविर में प्रवचन के दौरान साध्वीश्री ने कहा कि माता-पिता का दायित्त्व है कि वो बच्चों में धार्मिक संस्कारों का बीजारोपण अभी से करें। हम स्वयं भी बच्चों के साथ प्रति रविवार प्रभु पूजन आदि कार्य जरूर करें। सामूहिक पूजन पढ़ाने से सामूहिक कर्मों का नाश होता है। सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि बच्चे कोमल पौधे के समान होते हैं, जैसे मोड़ेंगे मुड़ जायेंगे। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि बच्चे के हाथ में अभी से मोबाईल नहीं दें, अन्यथा आपको इसके गम्भीर परिणाम भुगतने होंगे। विवाह आदि परिवार के कार्यक्रमों में संगीत संध्या के बजाय धार्मिक भक्ति संध्या रखना चाहिये। साध्वीश्री ने पारा में हुई शादी की चर्चा करते हुए कहा कि आयम्बिल तप के साथ और भक्ति संध्या के साथ विवाह समारोह किया गया जो अनुकरणीय है। इसे ही धार्मिक संस्कार कहा जाता है।

शिविर में प्रतिदिन धार्मिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई जिसमें सभी ने उत्साह से भाग लिया। मनुष्य जीवन को सफल बनाने के लिए हमें क्या-क्या प्रतिदिन करना चाहिये इन बातों पर साध्वीश्री ने अधिक जोर देते हुए सभी को अपनी सरल भाषा में बताया। शिविर समापन पर सभी शिविरार्थियों को विभिन्न धार्मिक गतिविधियों में भाग लेकर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर पुरस्कार प्रदान किया गया।

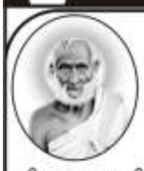

।। श्री धानेरा मण्डन श्री शान्तिनाथाय नमः ।।
।। विश्वपूज्य प्रभु श्रीमद्विजय राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेनसूरीश्वर गुरुभ्यो नमः ।।
।। कृपासिन्धु योगिराज श्री शान्तिविजय गुरुभ्यो नमः ।।

गुजरात की धन्य धरा

श्री धानेरा नगरे

श्री भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री **जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.** व विदुषी साध्वीश्री **सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा.** आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द के

वर्षावास प्रवेश
प्रसंगे **आमन्त्रण**

∗ शुभदिन ∗
आषाढ़ शुक्ला-12
13 JULY 2019
शनिवार

∗ दिव्यकृपा ∗

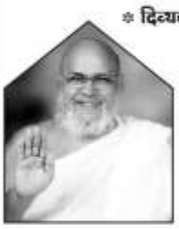

प. पू. पुण्य-सम्राट
श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा.

प. पू. कृपासिन्धु, योगिराज
श्री शान्तिविजयजी म. सा.

∗ आशीर्वाद ∗

प. पू. गच्छाधिपति
श्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा.

मंगल कार्यक्रम

प्रातः 9 बजे : सामैया प्रारम्भ
श्री शीतलनाथ जैन मन्दिर, पारस सोसायटी
सभा स्थल- श्री शान्तिनाथ जैन मन्दिर, शान्ति बाजार

आचार्य भगवन्तश्री के पावन पदार्पण के शुभावसर पर आप सपरिवार श्रीसंघ सहित धानेरा पधारिये !

∗ चातुर्मास स्थल ∗
श्री लाधाणी जैन उपाश्रय (श्रमण भगवन्त)
श्री सवाणी उपाश्रय (श्रमणी भगवन्त)

∗ चातुर्मास आयोजक ∗
श्री सौधर्म बृहत्पोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ-धानेरा
मु. पो.- धानेरा जिला- बनासकांठा (उ. गु.), श्री जैन संघ पेढ़ी - 02748-222241
सम्पर्क- श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर, मु. पो.- धानेरा, जिला- बनासकांठा (उ. गु.)

भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यश्री का राजस्थान की ओर विहार

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट, श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं कृपासिन्धु योगिराज गुरुदेवश्री शान्तिविजयजी म. सा. के परम विनयी सुशिष्य भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, जैनाचार्य श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. ने राजनगर-अहमदाबाद में पट्टधरद्वय की निश्रा में आयोजित आत्मोद्धार-3 में 19 मुमुक्षुरत्नों का दीक्षा महोत्सव सम्पन्न करने के पश्चात् राजस्थान की ओर विहार कर दिया है। आचार्यदेवेशश्री मीठाखली से श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार, मोटेरा पहुँचे जहाँ निकटवर्ती क्षेत्रों से पधारे गुरुभक्तों ने अगवानी कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

आचार्यदेवेशश्री यहाँ से छत्राल, मेहसाणा, पालनपुर, आबू रोड़ में धर्मसन्देश प्रदान करते हुए श्री जीरावला तीर्थ पहुँचेंगे। यहाँ एक दिन स्थिरता के पश्चात् आपका विहार अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ की ओर होगा। आचार्यदेवेशश्री के 3 जून 2019 तक श्री भाण्डवपुर महातीर्थ पहुँचने की सम्भावना है।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि आचार्यदेवेशश्री के दर्शन-वन्दन एवं चातुर्मास हेतु परामर्श लेने धानेरा संघ का छत्राल तीर्थ पर आगमन हुआ। संघ प्रतिनिधियों ने चातुर्मास की तैयारियों आदि के सम्बन्ध में चर्चा की, आचार्यश्री ने उचित मार्गदर्शन प्रदान करते हुए सभी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए माँगलिक श्रवण कराया।

आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. श्री भाण्डवपुर तीर्थ में तीर्थाधिपति श्री वीरप्रभु के विलेपन के पश्चात् प्रथम पूजा शुभारम्भ निमित्त अठारह अभिषेक, छप्पन दिक्कुमारियों द्वारा स्नात्र महोत्सव सह योगिराजश्री शान्तिविजयजी म. सा. की 23 वीं पुण्यतिथि एवं समाधि मन्दिर की 18 वीं वार्षिक ध्वजा के उपलक्ष्य में दिनांक 11-6-2019 एवं 12-6-2019 को आयोजित कार्यक्रमों में अपनी निश्रा प्रदान करेंगे।

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी
हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना-प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट '**यतीन्द्र वाणी**' के नाम से भेजे।

∗ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ∗ **सम्पादक, यतीन्द्र वाणी**

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

∗ रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक ∗

SCAN ME

http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur | bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222 | www.bhandavpur.com
पेढ़ी +91-7340019702-3-4 | BTveer

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री...
....
....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222